मस्तिष्क शोथ के लिए आयुर्वेदिक का इलाज

2868. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव :** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली में मस्तिष्क शोध के प्रभावी इलाज की व्यवस्था है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि वैद्यों द्वारा अनेक रोगियों का सफलतापूर्वक इलाज किया गया है, और

(ग) यदि हां, तो क्या इस रोग के इलाज के लिए भविष्य में आयुर्वेदिक डाक्टरों का अधिक योगदान प्राप्त किए जाने का विचार है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) इस प्रकार के रोग का इलाज करने के लिए आयुर्वेद में कई औषधियां उपलब्ध हैं ।

(ख) केन्द्रीय आयुर्वेद और सिद्ध की अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली ने यह भी सूचित किया है कि इनमें से कुछ औषधियां लाभकारी पाई गई :

(ग) सरकार की नीति यह है कि स्वास्थ्य परिचर्या के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारतीय चिकित्सा पद्धति और होम्यो-पैथी के चिकित्सकों का अधिक से अधिक सहयोग प्राप्त किया जाए ।

रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष

2869. **श्री प्रमोद महाजन :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान नवम्बर, 1986 की "माया" पत्रिका में "आदित्य बिड़ला : रेलवे बोर्ड के 'नये अध्यक्ष" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित लेख की ओर दिलाया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में वास्तविक स्थिति क्या है और सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) जी हां । "आदित्य बिड़ला - रेलवे बोर्ड के नये अध्यक्ष" शीर्षक का एक लेख 1.10.1986 की माया पत्रिका में छपा था ।

(ख) किसी उद्योगपति को रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करने का कोई प्रस्ताव नहीं है ।

Airfield in the country

2870. SHRI VALAMPURI JOHN: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a letter to the Editor titled 'Pilot's case' which appeared in the 'Indian Express' (Madras Edition) on the 20th October, 1986;

(b) whether many airfields in and outside India do not conform to the minimum mandatory requirements and standards as laid down by the International Civil Aviation Organisation;

(c) what are those airfields and what steps Government have taken to remove apprehensions from the public mind arising out of these allegations from pilots; and

(d) whether it is also a fact that airfields like Port Blair and Mangalore and many other airfields in the country are unsuitable for flying purposes?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) Yes, Sir.

(b) The International Civil Aviation Organisation prescribes standards and recommends practices in respect of airports meant for international operations only. The standards and practices recommended by the ICAO are not mandatory in respect of domestic airports. However, the

facilities available at most of domestic airports in India, except for the new air-strips opened for austerity operations by Vayudoot, conform to international stan dards. No comments can be offered in respect of the airports outside India.

(c) There is nothing to indicate that any apprehensions exist in public mind.

(d) No, Sir.

Detention of alleged woman terrorist at Indira Gandhi International Airport, New Delhi

2871. SHRI KAPIL VERMA: Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a London based alleged woman terrorist was detained by immigration authorities at the Indira Gandhi International Airport, New Delhi in October, 1986; and

(b) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) and (b) Information is being collected and will be placed on the Table of the Sabha.

रेलवे को स्लीपरों की सप्लाई

2872. **श्री शरद यादव** : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान उन मिल मालिकों द्वारा की जा रही अनियमितताओं की ओर दिलाया गया है जो रेलवे को स्लीपर सप्लाई करने के लिए पंजीकृत सप्लायर हैं ;

(ख) यदि हां, तो सरकार के ध्यान में कितने मामले लाये गये हैं और उनके विरूद्ध क्या कार्यवाही की गयी है ;

(ग) क्या सरकार ने स्लीपरों की सप्लाई के संबंध में जांच किये जाने के आदेश दिये हैं ; और

(घ) क्या बालोद, भिलाई, गुड्डादेही (म० प्र०) में पड़े माल के वजन की जांच की गयी है और यदि हां, तो उसके क्या परिणाम रहे ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) और (ख) रेलें, लकड़ी के स्लीपरों की सप्लाई, राज्यों के वन विभागों/निगमों से प्राप्त करती हैं और उनके पास कोई प्राइवेट मिल मालिक पंजीकृत नहीं हैं । सरकार के ध्यान में ऐसे मामले आये हैं जिनमें राज्य वन विभागों/निगमों द्वारा अपने सहयोगियों के माध्यम से सप्लाई किये गये स्लीपर, खराब पाये गये थे । खराब स्लीपरों की लागत, सम्बन्धित राज्य के वन विभाग/निगम को देय राशि से वसूल की गयी थी ।

(ग) घटिया किस्म के स्लीपरों के संबंध में कुछ शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिनकी जांच-पड़ताल की गयी है ।

(घ) जी नहीं ।

बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए धनराशि

2873. **श्री राम अवधेश सिंह** : क्या **जल भूतल परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1985–86 और 1986–87 के दौरान बिहार सरकार को राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और मरम्मत के लिये कितनी धनराशि का आवंटन किया गया है ;

(ख) क्या मोहनिया-आरा राष्ट्रीय राजमार्ग इसके निर्माण के तीन वर्ष के भीतर ही परिवहन के लायक नहीं रहा है ; और

(ग) क्या सरकार इस मामले में कोई जांच कराने और लोक निर्माण विभाग के संबंधित अधिकारियों के साथ-साथ इस राजमार्ग के निर्माण कार्य में लगे ठेकेदार के विरुद्ध घटिया किस्म का निर्माण कार्य करने के लिये कोई कार्यवाही करने का विचार रखती है ?